Name of the College- A.P.S.M College Barauni
Name → Dr. Rajesh Kumar Suman
Designation → [GT]
Date → 17-7-2021
Unit- 1
Class- B.A Part. II [H]
Paper → IIIrd
Name of the topic → National Income Accounts- GDP

---

(1) सौदों का विभाजन :- राष्ट्रीय आय लेखे में केवल उत्पादक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। उत्पादक क्रियाओं के चार क्षेत्रों, जैसे→ उत्पादन क्षेत्र, परिवार क्षेत्र, सरकारी क्षेत्र, तथा शेष विश्व क्षेत्र में बाँटा जाता है।

(2) दोहरी अंकन विधि :- विभिन्न क्षेत्रों के लिए दोहरी अंकन विधि के आधार पर लेखे तैयार किये जाते हैं।

(3) लेखा सम्बन्धों का स्थापना :- लेखों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों के बीच लेखा सम्बन्धों की स्थापना की जाती है।

(4) परस्पर सम्बन्धों का विश्लेषण :- विभिन्न क्षेत्रों में उनके कार्यों के आधार पर जो परस्पर सम्बन्ध पाया जाता है, उसका विश्लेषण किया जाता है।

⇒ अन्य विशेषताएँ [Other Characteristics] -

(1) यह पारस्परिक सम्बन्धों और प्रवाहों को स्पष्ट करते हुए अर्थव्यवस्था के विश्लेषण का एक ढाँचा [Framework] प्रदान करता है।

(2) राष्ट्रीय आय लेखा विश्लेषण अर्थव्यवस्था के जटिल वित्तीय व्यवहारों की प्रकृति, मात्रा और अन्तः सम्बन्धों को निर्धारित करने की एक विधि है।

(3) इस में केवल उन्हीं गतिविधियों का समावेश किया जाता है जिनका सम्बन्ध सम्बन्धित वर्ष [चालू वर्ष] की वस्तुओं और सेवाओं के प्रवाह से है।

⇒ राष्ट्रीय आय एवं राष्ट्रीय आय लेखा में अन्तर
[Difference between Income and National Income Accounts]

S.no	राष्ट्रीय आय	राष्ट्रीय आय लेखा
(1)	राष्ट्रीय आय एक वर्ष के दौरान एक देश में कुल अंतिम वस्तुओं व सेवाओं के मौद्रिक मूल्य का माप है।	राष्ट्रीय आय लेखा राष्ट्रीय आय के बारे में सांख्यिकीय कथन और तालिकाएँ हैं।
(2)	राष्ट्रीय आय एक देश की समृद्धि का सूचक है।	राष्ट्रीय आय लेखे विभिन्न क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था के कार्य निष्पादन को बताते हैं।
(3)	राष्ट्रीय आय एक अर्थव्यवस्था की वर्तमान उपलब्धि को मापती है। यह विभिन्न क्षेत्रों के मूल सम्बन्धों की उपेक्षा कर देती है।	राष्ट्रीय आय लेखे एक अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के बीच पाये जाने वाले अंतर्सम्बन्धों को बताते हैं, और उनका विश्लेषण करते हैं।

Scanned with CamScanner